Literacy for a Billion

Movie: Naya Zamana
Year: 1971

Song: Das Gayi Tui
Lyricist: Anand Bakshi

ओ चंपा ओ चमेली
ओ सुनवा ओ रुपवा

डस गई
डस गई तूई
रैना कजरारी मैं हारी
का करूँ जानूँ ना जानूँ ना
डस गई तूई

रैना कजरारी मैं हारी
का करूँ जानूँ ना जानूँ ना
डस गई तूई

जाओ रे जाओ
किसी बैद को बुलाओ
बैद ना मिले तो
मेरे साजन को लाओ

जाओ रे जाओ
किसी बैद को बुलाओ
बैद ना मिले तो
मेरे साजन को लाओ

छोटी सी बाली उमर में
मैं मुश्किल में फँस गई
डस गई तूई

रैना कजरारी मैं हारी
का करूँ जानूँ ना जानूँ ना

डस गई तूई

ओ हो ... चंपा
ओ री चमेली

तन का तो घाव
इक रोज़ भर जाए
मन हुआ घायल तो
राम ही बचाए

तन का तो घाव
इक रोज़ भर जाए
मन हुआ घायल तो
राम ही बचाए

ओ चंपा
ओ री चमेली
तेरी सहेली बस गई
डस गई तूई

रैना कजरारी मैं हारी
का करूँ जानूँ ना जानूँ ना
डस गई तूई

हाल जो सुने मेरा
वो ही मुसकाए
प्रेम का लगा है
मोहे रोग कहे हाय
हाल जो सुने मेरा

वो ही मुसकाए
प्रेम का लगा है
मोहे रोग कहे हाय

बैरन ये मस्त पवन भी
आके मुझपे हँस गई
डस गई तूई
रैना कजरारी मैं हारी
का करूँ जानूँ ना जानूँ ना
डस गई तूई

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.